.१ — 02 SEAT NUMBER

2023 | II | 22 — 1100 — **J-202** — (H)

HINDI (04)

Time : 3 Hrs. (12 Pages) Max. Marks : 80

कृतिपत्रिका

कृतिपत्रिका के लिए सूचनाएँ :

(१) सूचना के अनुसार गद्य, पद्य, विशेष अध्ययन तथा व्यावहारिक हिंदी की कृतियों में आवश्यकता के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित है।

(२) सभी आकृतियों के लिए पेन का ही उपयोग कीजिए।

(३) आकृतियों में उत्तर पेन से ही लिखना आवश्यक है।

(४) व्याकरण विभाग में पूछी गई कृतियों के उत्तरों के लिए आकृतियों की आवश्यकता नहीं है।

विभाग - १. गद्य (अंक - २०)

कृति १ (अ) निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए : (६)

संयोग से तभी उन्हें कहीं से तीन सौ रुपए मिल गए। वही पूँजी मेरे पास जमा करके उन्होंने मुझे अपने खर्च का बजट बना देने का आदेश दिया। जिन्हें मेरा व्यक्तिगत हिसाब रखना पड़ता है वे जानते हैं कि यह कार्य मेरे लिए कितना दुष्कर है। न वे मेरी चादर लंबी कर पाते हैं, न मुझे पैर सिकोड़ने पर बाध्य कर सकते हैं, और इस प्रकार एक विचित्र रस्साकशी में तीस दिन बीतते रहते हैं।

पर यदि अनुत्तीर्ण परीक्षार्थियों की प्रतियोगिता हो तो सौ में से दस अंक पाने वाला भी अपने-आपको शून्य पाने वाले से श्रेष्ठ मानेगा।

अस्तु, नमक से लेकर नापित तक और चप्पल से लेकर मकान के किराए तक का जो अनुमानपत्र मैंने बनाया वह जब निराला जी को पसंद आ गया, तब

Previous Pathshala

पहली बार मुझे अपने अर्थशास्त्र के ज्ञान पर गर्व हुआ। पर दूसरे ही दिन से मेरे गर्व की व्यर्थता सिद्‌ध होने लगी। वे सवेरे ही पहुँचे। पचास रुपए चाहिए ... किसी विद्‌यार्थी का परीक्षा शुल्क जमा करना है, अन्यथा वह परीक्षा में नहीं बैठ सकेगा। संध्या होते-होते किसी साहित्यिक मित्र को साठ देने की आवश्यकता पड़ गई। दूसरे दिन लखनऊ के किसी ताँगेवाले की माँ को चालीस का मनीऑर्डर करना पड़ा। दोपहर को किसी दिवंगत मित्र की भतीजी के विवाह के लिए सौ देना अनिवार्य हो गया। सारांश यह कि तीसरे दिन उनका जमा किया हुआ रुपया समाप्त हो गया और तब उनके व्यवस्थापक के नाते यह दान खाता मेरे हिस्से आ पड़ा।

(१) संजाल पूर्ण कीजिए: (२)

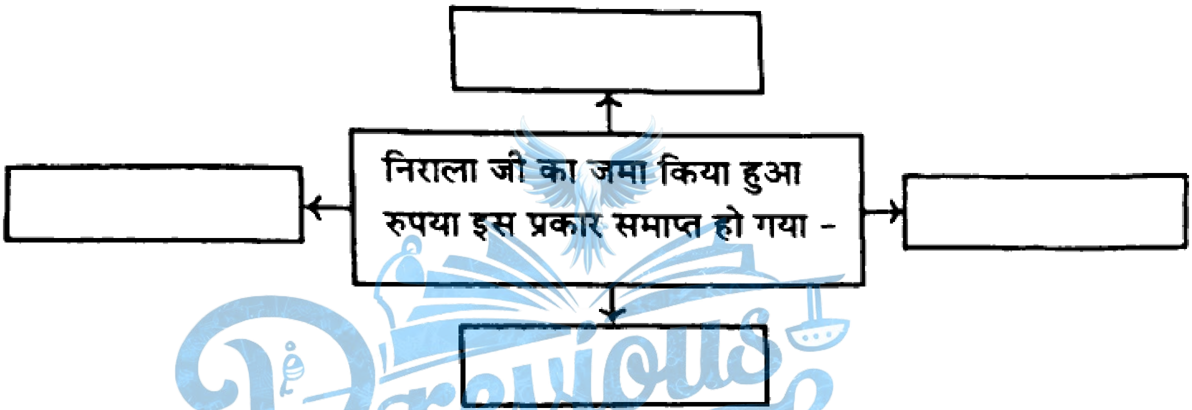

(२) निम्नलिखित शब्दों के लिए गद्‌यांश में आए हुए विलोम शब्द लिखिए : (२)

(१) वियोग × -------

(२) उत्तीर्ण × -------

(१) नापसंद × -------

(२) अज्ञान × -------

(३) 'जीवन में मित्रों का महत्त्व' इस विषय पर अपने विचार ४० से ५० शब्दों में लिखिए। (२)

(आ) निम्नलिखित गद्‌यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए : (६)

सुनो सुगंधा! तुम्हारा पत्र पाकर खुशी हुई। तुमने दोतरफा अधिकार की बात उठाई है, वह पसंद आई। बेशक, जहाँ जिस बात से तुम्हारी असहमति हो; वहाँ तुम्हें अपनी बात मुझे समझाने का पूरा अधिकार है। मुझे खुशी ही होगी तुम्हारे इस अधिकार प्रयोग पर। इससे राह खुलेगी और खुलती ही जाएगी। जहाँ कहीं कुछ रूकती दिखाई देगी; वहाँ भी परस्पर आदान-प्रदान से राह निकाल ली जाएगी। अपनी-अपनी बात कहने-सुनने में बंधन या संकोच कैसा?

मैंने तो अधिकार की बात यों पूछी थी कि मैं उस बेटी की माँ हूँ जो जीवन में

Previous Pathshala

ऊँचा उठने के लिए बड़े ऊँचे सपने देखा करती है; आकाश में अपने छोटे-छोटे डैनों को चौड़े फैलाकर।

धरती से बहुत ऊँचाई में फैले इन डैनों को यथार्थ से दूर समझकर भी मैं काटना नहीं चाहती। केवल उनकी डोर मजबूत करना चाहती हूँ कि अपनी किसी ऊँची उड़ान में वे लड़खड़ा न जाएँ। इसलिए कहना चाहती हूँ कि 'उड़ो बेटी, उड़ो, पर धरती पर निगाह रखकर' कहीं ऐसा न हो कि धरती से जुड़ी डोर कट जाए और किसी अनजाने-अवांछित स्थल पर गिरकर डैने क्षत-विक्षत हो जाएँ। ऐसा नहीं होगा क्योंकि तुम एक समझदार लड़की हो। फिर भी सावधानी तो अपेक्षित है ही।

यह सावधानी का ही संकेत है कि निगाह धरती पर रखकर उड़ान भरी जाए। उस धरती पर जो तुम्हारा आधार है- उसमें तुम्हारे परिवेश का, तुम्हारे संस्कार का, तुम्हारी सांस्कृतिक परंपरा का, तुम्हारी सामर्थ्य का भी आधार जुड़ा होना चाहिए। हमें पुरानी-जर्जर रूढ़ियों को तोड़ना है, अच्छी परंपराओं को नहीं।

(१) आकृति पूर्ण कीजिए : (२)

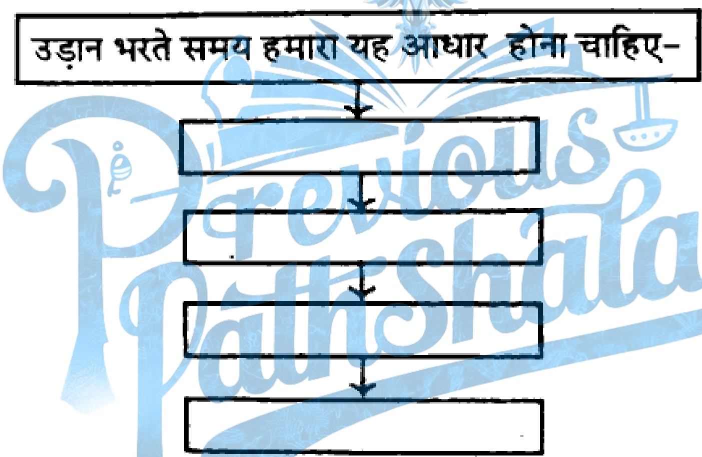

(२) निम्नलिखित शब्दों के लिए गद्यांश में आए हुए समानार्थी शब्द ढूँढ़कर लिखिए : (२)

(१) आनंद — ☐

(१) नभ — ☐

(१) पुत्री — ☐

(१) सजगता — ☐

(३) 'वर्तमान पीढ़ी के युवक-युवतियों का जीवन के प्रति बदला दृष्टिकोण' इस विषय पर अपने विचार ४० से ५० शब्दों में लिखिए। (२)

Previous Pathshala

(इ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग ८० से १०० शब्दों में लिखिए (कोई दो): (६)

(१) 'आदर्श बदला' कहानी के शीर्षक की सार्थकता स्पष्ट कीजिए।

(२) 'पाप के चार हथियार' पाठ का संदेश लिखिए।

(३) 'मनुष्य के स्वार्थ के कारण रिश्तों में आई हुई दूरी' पर अपने विचार 'कोखजाया' पाठ के आधार पर लिखिए।

(ई) निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का मात्र एक वाक्य में उत्तर लिखिए (कोई दो): (२)

(१) हिंदी के कुछ आलोचकों द्वारा महादेवी वर्मा को दी गई उपाधि का नाम लिखिए।

(२) आशारानी व्होरा जी के लेखन-कार्य का प्रमुख उद्देश्य लिखिए।

(३) कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर जी' के किन्हीं दो निबंध संग्रहों के नाम लिखिए।

(४) 'कोखजाया' कहानी के हिन्दी अनुवादक का नाम लिखिए।

विभाग - २ पद्य (अंक-२०)

कृति २ (अ) निम्नलिखित पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए : (६)

अपने हृदय का सत्य, अपने-आप हमको खोजना।
अपने नयन का नीर, अपने-आप हमको पोंछना।
आकाश सुख देगा नहीं
धरती पसीजी है कहीं!
हर एक राही को भटककर ही दिशा मिलती रही।
सच हम नहीं, सच तुम नहीं।
बेकार है मुस्कान से ढकना हृदय की खिन्नता।
आदर्श हो सकती नहीं, तन और मन की भिन्नता।
जब तक बँधी है चेतना
जब तक प्रणय दुख से घना
तब तक न मानूँगा कभी, इस राह को ही मैं सही।
सच हम नहीं, सच तुम नहीं।

(१) उत्तर लिखिए : (२)

(i) हमें हृदय की इस बात को खोजना है ________

(ii) हर एक राही को भटककर मिलती है ________

(iii) इसे मुस्कान से ढकना बेकार है ________

(iv) यह आदर्श नहीं हो सकती है ________

Previous Pathshala

(२) निम्नलिखित शब्दों के प्रत्यय निकालकर पद्यांश में आए हुए मूल शब्द ढूँढ़कर लिखिए : (२)

(१) सत्यता — ____

(२) सुखों — ____

(३) राहों — ____

(४) मुस्कुराहट — ____

(३) 'संघर्ष करने वाला व्यक्ति ही जीवन में सफल होता है' इस विषय पर अपने विचार ४० से ५० शब्दों में लिखिए। (२)

(आ) निम्नलिखित पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए : (६)

अंकुरित होने से ठूँठ हो जाने तक
आँधी-तूफान हो या कोई प्रतापी राजा-महाराजा
पेड़ किसी के पाँव नहीं पड़ता है,
जब तक है उसमें साँस
एक जगह पर खड़े रहकर
हालात से लड़ता है!
जहाँ भी खड़ा हो
सड़क, जंगल या कोई पहाड़
भेड़िया, बाघ, शेर की दहाड़
पेड़ किसी से नहीं डरता है!
हत्या या आत्महत्या नहीं करता है पेड़।
थके राहगीर को देकर छाँव व ठंडी हवा
राह में गिरा देता है फूल
और करता है इशारा उसे आगे बढ़ने का।
पेड़ करता है सभी का स्वागत,
देता है सभी को विदाई!

(१) आकृति पूर्ण कीजिए : (२)

पेड़ इनसे नहीं डरता-

↓ ____ ↓ ____ ↓ ____ ↓ ____

Previous Pathshala

(२) निम्नलिखित शब्दों के वचन पद्यांश में से ढूँढ़कर लिखिए : (२)

(१) आँधियाँ ____________

(२) साँसें ____________

(३) सड़कें ____________

(४) हवाएँ ____________

(३) 'पेड़ मनुष्य को प्रेरणा देता है' इस विषय पर अपने विचार ४० से ५० शब्दों में लिखिए। (२)

(इ) निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर 'गुरुबानी' कविता का रसास्वादन कीजिए : (६)

(१) रचनाकार का नाम (१)

(२) पसंद की पंक्तियाँ (१)

(३) पसंद आने के कारण (२)

(४) कविता की केंद्रीय कल्पना (२)

अथवा

आम आदमी की पीड़ा को समझते हुए 'चुनिंदा शेर' कविता का रसास्वादन कीजिए।

(ई) निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का केवल एक वाक्य में उत्तर लिखिए (कोई दो) : (२)

(१) त्रिलोचन जी के दो काव्य संग्रहों के नाम -

(२) वृंद जी की प्रमुख रचनाएँ -

(३) गजल इस भाषा का लोकप्रिय काव्य प्रकार है -

(४) लोकगीतों के दो प्रकार -

विभाग -३. विशेष अध्ययन (अंक-१०)

कृति ३ (अ) निम्नलिखित काव्य पंक्तियों को पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए : (६)

यह आम्रवृक्ष की डाल
उनकी विशेष प्रिय थी
तेरे न आने पर
सारी शाम इसपर टिक
उन्होंने वंशी में बार-बार
तेरा नाम भरकर तुझे टेरा था -
आज यह आम की डाल
सदा-सदा के लिए काट दी जाएगी
क्योंकि कृष्ण के सेनापतियों के
वायुवेगगामी रथों की

Previous Pathshala

गगनचुंबी ध्वजाओं में
यह नीची डाल अटकती है।
और यह पथ के किनारे खड़ा
छायादार पावन अशोक वृक्ष
आज खंड-खंड हो जाएगा तो क्या -
यदि ग्रामवासी, सेनाओं के स्वागत में
तोरण नहीं सजाते
तो क्या सारा ग्राम नहीं उजाड़ दिया जाएगा?

(१) कारण लिखिए : (२)

(१) आम्रवृक्ष की डाल सदा के लिए काट दी जाएगी - ________

(२) छायादार अशोक वृक्ष खंड-खंड हो जाएगा - ________

(२) उचित मिलान कीजिए : (२)

(१)	वृक्ष	टहनी
(२)	ग्राम	राह
(३)	पथ	गाँव
(४)	डाल	पेड़

(३) 'युद्ध के दुष्परिणाम' इस विषय पर अपने विचार ४० से ५० शब्दों में लिखिए। (२)

(आ) निम्नलिखित में से किसी एक प्रश्न का उत्तर लगभग ८० से १०० शब्दों में लिखिए : (४)

(१) 'कवि ने राधा के माध्यम से वर्तमान मनुष्य की पीड़ा को व्यक्त किया है', इस कथन के संबंध में अपने विचार व्यक्त कीजिए।

(२) राधा की दृष्टि से जीवन की सार्थकता स्पष्ट कीजिए।

विभाग -४. व्यावहारिक हिंदी, अपठित गद्यांश एवं पारिभाषिक शब्दावली (अंक-२०)

कृति ४ (अ) निम्नलिखित का उत्तर लगभग १०० से १२० शब्दों में लिखिए : (६)

(१) 'नर हो, न निराश करो मन को', इस उक्ति का पल्लवन कीजिए।

अथवा

परिच्छेद पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए :

अच्छे मंच संचालक के लिए आवश्यक है - अच्छी तैयारी। वर्तमान समय में संगीत संध्या, बर्थ डे पार्टी या अन्य मंचीय कार्यक्रमों के

Previous Pathshala

लिए मंच संचालन आवश्यक हो गया है। मैंने भी इस तरह के अनेक कार्यक्रमों के लिए सूत्र संचालन किया है। जिस तरह का कार्यक्रम हो, तैयारी भी उसी के अनुसार करनी होती है। मैं भी सर्वप्रथम यह देखता हूँ कि कार्यक्रम का स्वरूप क्या है? सामाजिक, शैक्षिक, राजनीतिक, कवि सम्मेलन, मुशायरा या सांस्कृतिक कार्यक्रम! फिर उसी रूप में मैं कार्यक्रम का संहिता लेखन करता हूँ। इसके लिए कड़ी साधना व सतत् प्रयास आवश्यक है। कार्यक्रम की सफलता सूत्र संचालक के हाथ में होती है। वह दो व्यक्तियों, दो घटनाओं के बीच कड़ी जोड़ने का काम करता है। इसलिए संचालक को चाहिए कि वह संचालन के लिए आवश्यक तत्त्वों का अध्ययन करे। सूत्र संचालक के लिए कुछ महत्त्वपूर्ण गुणों का होना आवश्यक है। हँसमुख, हाजिरजवाबी, विविध विषयों का ज्ञाता होने के साथ-साथ उसका भाषा पर प्रभुत्व होना आवश्यक है। कभी-कभी किसी कार्यक्रम में ऐन वक्त पर परिवर्तन होने की संभावना रहती है। यहाँ सूत्र संचालक के भाषा प्रभुत्व की परीक्षा होती है। पूर्व निर्धारित अतिथियों का न आना, यदि आ भी जाए तो उनकी दिनभर की कार्य व्यस्तता का विचार करते हुए कार्यक्रम पत्रिका में संशोधन / सुधार करना पड़ता है। आयोजकों की ओर से अचानक मिली सूचना के अनुसार संहिता में परिवर्तन कर संचालन करते हुए कार्यक्रम को सफल बनाना ही सूत्र संचालक की विशेषता होती है।

(१) संजाल पूर्ण कीजिए : (२)

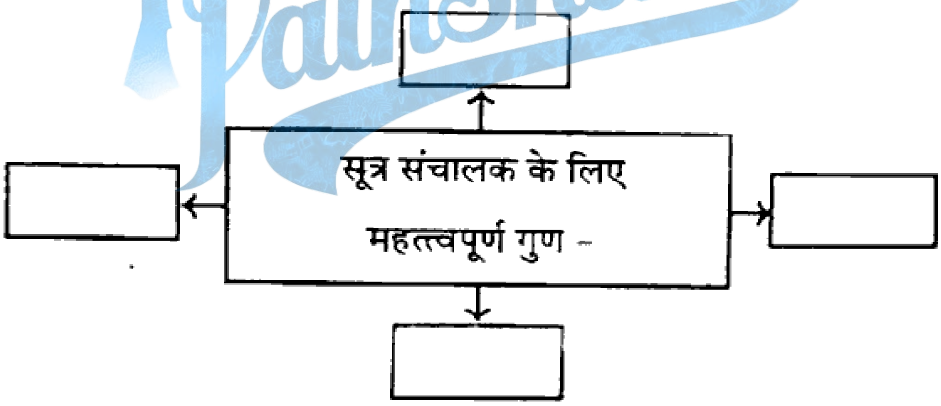

(२) निम्नलिखित विधान 'सत्य' हैं या 'असत्य' लिखिए : (२)

(१) कार्यक्रम की सफलता वक्ता के हाथ में होती है।

(२) सूत्र संचालक दो व्यक्तियों, दो घटनाओं के बीच कड़ी जोड़ने का काम करता है।

(३) कार्यक्रम में ऐन वक्त पर परिवर्तन होने की संभावना कभी नहीं रहती।

(४) कार्यक्रम को सफल बनाना सूत्र संचालक की विशेषता होती है।

Previous Pathshala

(३) 'सूत्र संचालन रोजगार का उत्तम साधन है', इस विषय पर ४० से ५० शब्दों में अपने विचार लिखिए। (२)

(आ) निम्नलिखित में से किसी एक का उत्तर ८० से १०० शब्दों में लिखिए : (४)

(१) ब्लॉग लेखन करते समय बरती जाने वाली सावधानियों पर प्रकाश डालिए।

(२) प्रकाश उत्पन्न करने वाले जीवों द्वारा प्रकाश उत्पन्न करने के उद्देश्यों की जानकारी दीजिए।

अथवा

सही विकल्प चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :

(१) हिंदी में 'पल्लवन' शब्द अंग्रेजी ------- शब्द के प्रतिशब्द के रूप में आता है। (१)

(१) Expansion (२) Essay

(३) Article (४) Blog

(२) ------- को पत्रकारिता के क्षेत्र में फीचर लेखन के लिए दिए जाने वाले 'सर्वश्रेष्ठ फीचर लेखन' के राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। (१)

(१) नेहा (२) स्नेहा

(३) मेधा (४) सुगंधा

(३) ------- लेखन में शब्द संख्या का बंधन नहीं होता। (१)

(१) फीचर (२) ब्लॉग

(३) पल्लवन (४) निबंध

(४) मानव सहित विश्व के अधिकांश जीवों के जीवन में ------- का बहुत महत्त्व है। (१)

(१) दवा (२) रसायन

(३) धन (४) प्रकाश

(इ) निम्नलिखित अपठित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए : (६)

एक बार अंग्रेजी के मशहूर साहित्यसेवी डॉ. जॉनसन के पास उनका एक मित्र आया और अफसोस जाहिर करने लगा कि उसे धार्मिक ग्रंथ पढ़ने के लिए समय ही नहीं मिलता।

''क्यों?'' डॉ. जॉनसन ने फौरन पूछा।

''आप ही देखिए, दिन-रात मिलाकर सिर्फ चौबीस घंटे होते हैं, इसमें से आठ घंटे तो सोने में निकल जाते हैं।''

''पर यह बात सब ही के लिए लागू है।'' डॉ. जॉनसन ने कहा।

''और करीब आठ ही घंटे ऑफिस में काम करना पड़ता है।''

''और बाकी आठ घंटे?'' डॉ. जॉनसन ने पूछा।

Previous Pathshala

"इन्हीं आठ घंटों में खाना-पीना, हजामत बनाना, नहाना-धोना, ऑफिस आना-जाना, मित्रों से मिलना-जुलना, चिट्ठी-पत्री का जवाब देना, इत्यादि कितने काम रहते हैं। मैं तो बड़ा परेशान हूँ।"

"तब तो मुझे भी अब भूखों मरना पड़ेगा।" डॉ. जॉनसन एक गहरी साँस लेकर बोले।

"क्यों? क्यों?" उनके मित्र ने तुरंत पूछा।

"मैं काफी खाने वाला आदमी हूँ और अन्न उपजाने के लिए दुनिया में एक चौथाई ही तो जमीन है, तीन-चौथाई तो पानी ही है और संसार में मेरे जैसे करोड़ों लोग हैं जिन्हें अपना पेट भरना पड़ता है।"

"पर इतने लोगों के लिए फिर तो भी जमीन काफी है।"

"काफी कहाँ है? इस एक-चौथाई जमीन में कितने पहाड़ हैं, ऊबड़-खाबड़ स्थल हैं, नदी-नाले हैं, रेगिस्तान और बंजर भूमि है। अब मेरा भी कैसे निभ सकेगा भगवान! मित्र महोदय बड़ी हमदर्दी के साथ डॉ. जॉनसन को दिलासा देने लगे कि उन्हें परेशान होने की बिल्कुल जरूरत नहीं है। दुनिया में करोड़ों लोग रहते आए हैं और उन्हें सदा अन्न मिलता ही रहा है।"

(१) तालिका पूर्ण कीजिए : (२)

दुनिया में एक-चौथाई जमीन पर यह है-

↓

[ ]

↓

[ ]

↓

[ ]

↓

[ ]

(२) परिच्छेद में आए हुए शब्दयुग्म के कोई भी चार उदाहरण ढूँढ़कर लिखिए : (२)

(१) ____________

(२) ____________

(३) ____________

(४) ____________

(३) 'समय अनमोल है' इस विषय पर ४० से ५० शब्दों में अपने विचार लिखिए। (२)

Previous Pathshala

(ई) निम्नलिखित में से किन्हीं चार के पारिभाषिक शब्द लिखिए : (४)

(१) Judge
(२) Warning
(३) Balance
(४) Payment
(५) Speed
(६) Antiseptics
(७) Output
(८) Auxiliary Memory

विभाग -५. व्याकरण (अंक-१०)

कृति ५ (अ) निम्नलिखित वाक्यों का कोष्ठक में दी गई सूचनाओं के अनुसार काल परिवर्तन कीजिए (कोई दो) : (२)

(१) बैजू का लहू सूख गया है।
(सामान्य भूतकाल)

(२) सत्य का मार्ग सरल है।
(सामान्य भविष्यकाल)

(३) हमारे भू-मंडल में हवा और पानी बुरी तरह प्रदूषित हुए हैं।
(अपूर्ण वर्तमानकाल)

(४) मैं वहाँ जाकर मौसी को देख अति दुखी हो गया।
(पूर्ण भूतकाल)

(आ) निम्नलिखित पंक्तियों में उद्धृत अलंकार पहचानकर उनके नाम लिखिए (कोई दो) : (२)

(१) पायो जी मैंने राम रतन धन पायो।

(२) राधा-वदन चंद सो सुंदर।

(३) पड़ी अचानक नदी अपार।
घोड़ा उतरे कैसे पार।।
राणा ने सोचा इस पार।
तब तक चेतक था उस पार।।

(४) एक म्यान में दो तलवारें, कभी नहीं रह सकती हैं
किसी और पर प्रेम पति का, नारियाँ नहीं सह सकती हैं।

Previous Pathshala

(इ) निम्नलिखित पंक्तियों में उद्धृत रस पहचानकर उनके नाम लिखिए (कोई दो): (२)

(१) सुडुक-सुडुक घाव से पिल्लू (मवाद) निकाल रहा है,
नासिका से श्वेत पदार्थ निकाल रहा है।

(२) राम के रूप निहारति जानकी, कंकन के नग की परछाही,
यातै सबै सुधि भूलि गई, कर टेकि रही पल टारत नाही।

(३) माला फेरत जुग भया, गया न मन का फेर।
कर का मनका डारि कैं, मन का मनका फेर।।

(४) तू दयालु दीन हौं, तू दानि हौं भिखारि।
हौं प्रसिद्ध पातकी, तू पाप पुंजहारि।

(ई) निम्नलिखित मुहावरों के अर्थ लिखकर उचित वाक्यों में प्रयोग कीजिए (कोई दो): (२)

(१) वाह-वाह करना।

(२) टस-से मस न होना।

(३) दिन दूना रात चौगुना बढ़ना।

(४) चार चाँद लगाना।

(उ) निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके वाक्य फिर से लिखिए (कोई दो): (२)

(१) उनकी व्यथा के सघनता जानने का मुझे एक अवसर मिली है।

(२) परंतु अग्यान भी अपराध है।

(३) सुधारक आते हैं, जिवन की इन विडंबनाओं पर घनघोर चोट करते हैं।

(४) यहाँ स्वाभाविक रूप से सवाल उठता है की इस्तेमाल में आने वाले इन यौगिकों का आखिर होता क्या है।

◆◆◆

Previous Pathshala